

सामान्य अध्ययन - IV

सामान्य अध्ययन- 4 (नीतिशास्त्र, सत्यनषिटा, और अभरिुचा)

एथिक्स (नीतिशास्त्र, सत्यनषिटा, और अभरिुचा)

- वर्ष 2013 से मुख्य परीक्षा के बदले हुए पाठ्यक्रम में सामान्य अध्ययन के चौथे प्रश्नपत्र के रूप में 'नीतिशास्त्र, सत्यनषिटा और अभरिुचा' को शामिल किया गया, जसिे प्रचलति रूप में 'एथिक्स' (Ethics) के नाम से भी जाना जाता है।
- यह प्रश्नपत्र अपनी मूल प्रवृत्ति में बहुत ही रचनात्मक और मौलिक है। पछिले दो वर्षों के एथिक्स के प्रश्नपत्र को उठाकर देखें तो पाएंगे कि इस प्रश्नपत्र में ऐसा कुछ भी नहीं पूछा जाता है जसिके लिये उम्मीदवार को बहुत रटने की आवश्यकता हो, या का प्रश्न इतने कठिन हों कि उम्मीदवार की समझ के बाहर हों।
- ईमानदारी, नैतिकता, सत्यनषिटा और संवेदना जैसे गुण कहीं से आयातित नहीं किये जा सकते और न ही कोई आपको जबरदस्ती ये गुण सखिा सकता है। ये गुण स्वतः स्फूर्त और स्वप्रेरणा से ही आते हैं।
- एक सविलि सेवक के रूप में ऐसे गुणों की अपेक्षा और अधिक बढ़ जाती है, और इस प्रश्नपत्र का प्रमुख उद्देश्य भी आप में ऐसे ही गुणों की जाँच करना है।
- अब सवाल यह उठता है कि प्रारंभिक परीक्षा के बाद बचे हुए दिनों में इस प्रश्नपत्र की तैयारी के लिये क्या रणनीति अपनाई जाए कौन-कौन सी कतिाबें पढ़ी जाएँ?
- सामान्य तौर पर एथिक्स के प्रश्नपत्र में अब तक दो खंडों में प्रश्न पूछे गए हैं। खंड 'क' में 'नैतिकता', 'सत्यनषिटा', 'ईमानदारी', 'लोक प्रशासन में पारदर्शिता' 'सविलि सेवकों की जवाबदेही', 'महापुरुषों के नैतिक विचार व उनके जीवन आदर्श', 'भावनात्मक समझ', 'शासन व्यवस्था में ईमानदारी' जैसे मुद्दे जनिकी सामान्य समझ एक सविलि सेवक से अपेक्षित है, से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। इस खंड में आमतौर पर 13 से 15 प्रश्न पूछे जाते हैं जनिकी शब्द सीमा अधिकतम 150 शब्द होती है।
- वही दूसरा खंड 'ख' केस स्टडीज़ का होता है जसिमें द्वंद्व से जुड़ी सामाजिक समस्याओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं और आपसे उनके युक्तयुक्त समाधान की अपेक्षा की जाती है।
- एक सविलि सेवक के रूप में आपको कदम-कदम पर ऐसी चुनौतियों, द्वंद्वों का सामना करना है जहाँ एक तरफ आपका कोई बहुत नज़दीकी है और दूसरी तरफ कोई बहुत ज़रूरतमंद आम जन, और आपको कसिी एक के हति में नरिणय लेना है। यानी एक तरफ आपका कर्तव्य और दूसरी तरफ आपके नज़ी संबंध।
- ऐसे में आप क्या नरिणय लेते हैं, परीक्षक इसका मूल्यांकन करता है। इन प्रश्नों में कई बार आपको समस्या समाधान के विकल्प दिये जाते हैं तो कई बार केवल समस्या दी जाती है, न कि उसके विकल्प। सामान्य तौर पर इनकी सीमा 250 शब्दों की होती है।
- 'एथिक्स' के प्रश्नपत्र में ऐसी कोई कतिाब नहीं है जसिे पढ़कर आप इस विषय में माहिर हो जाएँ। 'एथिक्स' का पाठ्यक्रम बहुत व्यापक है और आपसे इस बात की मांग करता है कि दैनिकी जीवन की सामान्य घटनाओं पर नज़र बनाए रखें। एक सविलि सेवक के रूप में उनके समाधान ढूँढने की कोशिश करें।
- इसके लिये विश्व व भारत के प्रसिद्ध नैतिक विचारकों और दार्शनिक चितकों के विचारों को पढ़ने की कोशिश करें। ज़्यादातर प्रश्न आपकी सामान्य समझ पर ही आधारित होते हैं। पछिले वर्षों के प्रश्नपत्रों व मॉडल प्रश्नपत्रों का नयित समय में अधिक से अधिक अभ्यास करें।
- केस स्टडीज़ में ऐसे समाधान बलिकूल न बताएँ जो एक सविलि सेवक के ईमानदार आचरण के विरुद्ध हों, कसिी भी रूप में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हों, संविधान व कानून का विरोध करते हों, नज़ी स्वार्थों को आम जन के हतियों से ऊपर रखते हों।
- आपको अपना 'एटीट्यूड' (Attitude) व 'एप्टीट्यूड' (Aptitude) दोनों नैतिक, संवेदनायुक्त और भ्रष्टाचार विरोधी रखने हैं, ताकि आम जन आपकी उपस्थिति में आश्वस्त व सुरक्षित महसूस करें व अपराधी डरें। आपको अपने जवाब में भी इसी तरह के विचार प्रस्तुत करने हैं।